RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

दक्षिण भारत के राजवंश

LIVE 15-03-2024 09:00 AM

दक्षिण भारत के राजवंश :-

काँची के पल्लव :

⇒ सिंहविष्णु → (575 - 600 AD)

संस्थापक :- सिंहविष्णु

उपाधि :- अवनि सिंह

Imp ⇒ किरातार्जुनीय नामक पुस्तक के लेखक महाकवि भारवि सिंहविष्णु के दरबार में रहते थे।

⇒ पल्लव वंश का प्रतिक चिन्ह :- सिंह

⇒ पल्लवो ने संस्कृत भाषा को राजकीय संरक्षण प्रदान किया।

① महेन्द्रवर्मन प्रथम (600-630 AD)

Imp

⇒ मत्तविलास प्रहसन नामक हास्य की रचना महेन्द्रवर्मन प्रथम ने की थी

⇒ संगीत गुरु :- रुद्राचार्य

⇒ महेन्द्रवर्मन प्रथम, वातापी के चालुक्य राजा पुलकेशिन द्वितीय से परास्त हुआ।

उपाधि: मतविलास, विचित्रचित्त, गुणभर, चैत्यकारी, अवनिभाजन

③ नरसिंहवर्मन प्रथम :- [630AD-668AD]

⇒ नरसिंहवर्मन प्रथम अपने वंश का सबसे शक्तिशाली राजा था।

⇒ 642 ई० में बादामी पर अधिकार करके पुलकेशिन द्वितीय को युद्ध में पराजित करके मार डाला। तथा वातापीकोंड की उपाधि धारण की।

(Imp)

⇒ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने नरसिंह वर्मन प्रथम के शासनकाल में कांची की यात्रा की थी

→ ने पल्लव प्रदेश को रत्नो का आकार कहा।

⇒ नरसिंह वर्मन I ने महाबलीपुरम में एकाश्म रथ मंदिर का निर्माण करवाया था, तथा महामल्ल की उपाधि धारण की।

④ महेन्द्रवर्मन द्वितीय :- (668-670 AD)

⇒ पल्लव- चालुक्य संघर्ष में महेन्द्रवर्मन द्वितीय को पुलकेशिन II के पुत्र विक्रमादित्य प्रथम ने युद्ध में मार डाला।

⑤ परमेश्वरवर्मन-1 (670-695 AD)

उपाधि :- विद्याविनित, पल्लव महेश्वर

⇒ गणेश मंदिर का निर्माण (मामल्लपुर)

⑥ नरसिंहवर्मन द्वितीय :- 695 – 720 AD

⇒ नरसिंहवर्मन द्वितीय का काल शान्ति व व्यवस्था का काल था।

⇒ दशकुमारचरित, अवन्तिसुंदरी कथा तथा काव्यदर्श के रचियता दण्डिन, नरसिंहवर्मन II की राज्यसभा में रहते थे।

↔ दण्डिन को वाल्मीकि व व्यास की कोटि का तीसरा कवि माना जाता है।

⇒ उपाधि :- राजसिंह, आगमप्रिय, शंकरभक्त

⇒ नरसिंहवर्मन II ने एक दूत मण्डल चीन भेजा था।

⇒ नरसिंहवर्मन II ने राजसिंह शैली में मंदिरों का निर्माण करवाया था।

⇒ परमेश्वरवर्मन द्वितीय (720-730)

⇒ नंदिवर्मन II (730-795AD)